

● पढ़ो और गाओ :

२. बेटी युग

-आनंद विश्वास

जन्म : जुलाई १९४९, शिकोहाबाद (उ.प्र.) **रचनाएँ :** मिटने वाली रात नहीं, पर कटी पाँखी, देवम, गरमागरम थपेड़े लू के, बहादुर बेटी
परिचय : आनंद विश्वास जी अंधविश्वास और मुश्किलों के ताप से पिघलते जीवन के प्रति विद्रोही स्वर रखने वाले कवि हैं।
प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने बेटियों की शिक्षा, महत्त्व के साथ-साथ उनकी आत्मनिर्भरता, प्रगति को प्रतिपादित किया है।



अध्ययन कौशल

अपने विद्यालय के पाँचवीं से आठवीं तक की कक्षाओं में पढ़ रहे छात्र और छात्राओं की संख्या संयुक्त स्तंभालेख द्वारा दर्शाओ।

गणित सातवीं कक्षा पृ. ५१-५२

नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी।
बेटी युग के नए दौर की, आओ लिख लें नई कहानी।

बेटी युग में बेटा-बेटी,
सभी पढ़ेंगे, सभी बढ़ेंगे।
फौलादी ले नेक इरादे,
खुद अपना इतिहास गढ़ेंगे।
देश पढ़ेगा, देश बढ़ेगा, दौड़ेगी अब तरुण जवानी।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी।

बेटा शिक्षित आधी शिक्षा,
दोनों शिक्षित पूरी शिक्षा।
हमने सोचा, मनन करो तुम,
सोचो-समझो, करो समीक्षा।
सारा जग शिक्षामय करना, हमने सोचा, मन में ठानी।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी।



- कविता का आदर्श पाठ प्रस्तुत करके विद्यार्थियों से सस्वर पाठ कराएँ। गुट चर्चा एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से कविता में आए प्रमुख भावों को स्पष्ट करें और उनकी सूची बनवाएँ। 'लड़का-लड़की एक समान' विषय पर आठ से दस वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें।



वाचन जगत से

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर के कार्य पढ़ो और प्रमुख मुद्दे बताओ ।



अब कोई ना अनपढ़ होगा,
सबके हाथों पुस्तक होगी ।
ज्ञानगंगा की पावन धारा,
सबके आँगन तक पहुँचेगी ।

पुस्तक और कलम की शक्ति, जग जाहिर जानी पहचानी ।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।

बेटी युग सम्मान पर्व है,
पुण्य पर्व है, ज्ञान पर्व है ।
सब सबका सम्मान करें तो,
जन-जन का उत्थान पर्व है ।

सोने की चिड़िया तब बोले, बेटी युग की हवा सयानी ।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।



मैंने समझा

शब्द वाटिका



नए शब्द

सुहानी = सुंदर

दौर = काल, समय

नेक = भला, अच्छा

इरादा = संकल्प

मुहावरा

ठान लेना = निश्चय करना

कलम = लेखनी

उत्थान = प्रगति

पर्व = त्योहार

सयानी = समझदार



सुनो तो जरा

त्योहार मनाने के उद्देश्य की वैज्ञानिकता
सुनो और सुनाओ ।



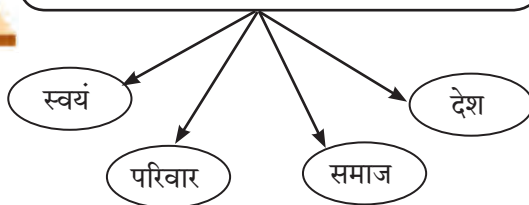
जरा सोचो लिखो

तुम्हें रुपयों से भरा बटुआ मिल जाए तो



स्वयं अध्ययन

स्त्री शिक्षा का इनपर क्या प्रभाव पड़ता है, लिखो :



विचार मंथन

॥ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ॥



सदैव ध्यान में रखो

स्वयं को बदलो, समाज बदलेगा ।

१. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

- (क) बेटी युग में ----, ---- । ----, ---- गढ़ेंगे ॥
(ख) बेटी युग ----, ---- । ----, ---- उत्थान पर्व है ।

२. जानकारी लिखो :

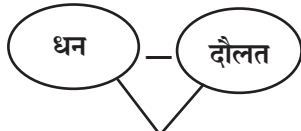
- (च) बेटी पर्व
(छ) शिक्षामय विश्व



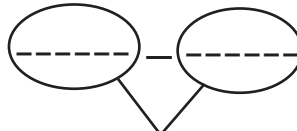
भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों के युग्म शब्द बताओ और वाक्यों में उचित शब्दयुग्म लिखो :

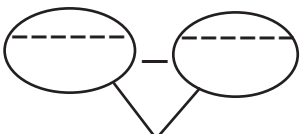
गाँव-,-उधर, घूमना -, धन -,
..... - पहचान, कूड़ा -, - फूल, घर -



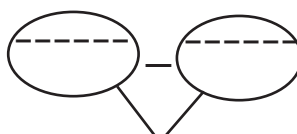
१. अथक परिश्रम से उसने धन-दौलत कमाई ।



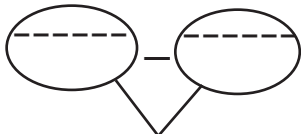
५. बाजार से बहुत सारे ----- खरीदकर लाए ।



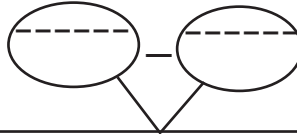
२. सेहत के लिए ----- अच्छा होता है ।



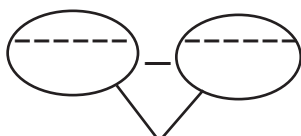
६. बच्चों ने मैदान पर फैला ----- इकट्ठा किया ।



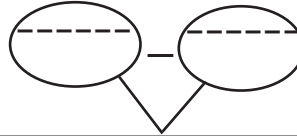
३. दीपावली में ----- मिठाइयाँ बनती हैं ।



७. समारोह में सभी ----- वालों को आमंत्रित किया ।



४. अंतरजाल की सुविधा ----- में उपलब्ध है ।



८. बगीचे में आते ही सभी बच्चे----- दौड़ने लगे ।